मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 287
गुरुवार, 07 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी: अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना

नई दिल्ली, 06 मई। पश्चिम बंगाल और असम में शानदार जीत के बाद, नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रगान वंदे मातरम को जन गण मन के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी - इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश - के चुनाव परिणामों के बाद मंगलवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में लिया गया। मंत्रियों ने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत बताते हुए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है ताकि वंदे मातरम को भी उसी कानूनी ढांचे के अंतर्गत लाया जा सके जो वर्तमान में राष्ट्रगान को संरक्षण प्रदान करता है। इसके लागू होने के बाद, वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी प्रकार का अनादर या बाधा डालना संज्ञेय अपराध माना जाएगा।

राष्ट्रीय ध्वज, संविधान या राष्ट्रगान के अपमान से जुड़े मामलों में दंड का प्रावधान है, जिसमें कारावास, जुमार्ना या दोनों शामिल हैं। प्रस्तावित संशोधन वंदे मातरम पर भी इन प्रावधानों को लागू करेगा, जिसका अर्थ है कि उल्लंघन करने पर भी इसी तरह के कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मौजूदा नियमों के तहत, कोई भी व्यक्ति जो जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे बाधित करता है,

उसे 3 साल तक का कारावास, जुमार्ना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। बार-बार अपराध करने वालों को कम से कम एक साल की कैद की सजा हो सकती है। उम्मीद है कि संशोधन लागू होने के बाद ये प्रावधान राष्ट्रगान पर भी लागू होंगे। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और सांस्कृतिक इतिहास में विशेष स्थान है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देश इस प्रतिष्ठित रचना की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिससे मंत्रिमंडल के इस निर्णय का प्रतीकात्मक महत्व और भी बढ़ जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के अनादरपूर्ण उपयोग को रोकने के लिए 2005 में भी इसी प्रकार के संशोधन किए गए थे। पिछले वर्ष दिसंबर में संसद में हुई एक विशेष चर्चा के दौरान भी वंदे मातरम को समान दर्जा देने की मांग उठाई गई थी, जो इसकी 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी। प्रस्तावित संशोधन को जल्द ही संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। यदि यह पारित हो जाता है, तो यह भारत द्वारा अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को कानूनी रूप से मान्यता देने और उनकी रक्षा करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाएगा।

होर्मुज जलडमरुमध्य दोबारा न खोला गया तो ईरान पर बमबारी होगी, डोनालड ट्रंप की चेतावनी

अमेरिका, 06 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरुमध्य नहीं खोलने की स्थिति में ईरान पर और ज्यादा बमबारी करने की बुधवार को चेतावनी दी। इस बीच, युद्ध खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते के करीब पहुंचने की खबर भी सामने आई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियस की खबर में अमेरिकी अधिकारियों और दो अन्य सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने को लेकर एक पृष्ठ के सहमति पत्र को मंजूरी देने और विस्तृत परमाणु वाताओं के लिए एक रूपरेखा तय करने के करीब पहुंच गए हैं।

खबर के अनुसार अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान अगले 48 घंटे के अंदर विभिन्न प्रमुख बिंदुओं पर अपनी प्रतिक्रिया देगा। हालांकि खबर में यह भी कहा गया है कि अभी कुछ तय नहीं है। खबर में कहा गया है कि युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार दोनों पक्ष

किसी समझौते के इतनी ज्यादा करीब पहुंचे हैं। ट्रंप ने "ट्रुथ सोशल" पर एक पोस्ट में कहा, अगर ईरान पहले से तय शर्तों को मान ले तो इस समय जारी बड़ा सैन्य अभियान एपिक फ्यूरी खत्म हो जाएगा। समुद्री नाकाबंदी हट जाएगी और होर्मुज जलडमरुमध्य ईरान समेत सभी के लिए खुल जाएगा। ट्रंप ने कहा, अगर ईरान ने सहमति नहीं जताई, तो बमबारी शुरू होगी। यह बमबारी दुर्भाग्य से पहले की तुलना में बहुत बड़े स्तर पर और बहुत तेज होगी। एक्सियस की खबर के अनुसार, इस समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन को अस्थायी रूप से रोकने पर सहमत होगा, जबकि अमेरिका उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटा देगा, साथ ही ईरान के अरबों डॉलर के 'फ्रीज' किए गए धन के इस्तेमाल की अनुमति देगा।

खबर के अनुसार दोनों देश होर्मुज जलडमरुमध्य से गुजरने वाले जहाजों और व्यापार पर लगी पाबंदियों को भी कम या खत्म करने पर सहमत हो सकते हैं। खबर में कहा गया है कि इस सहमति पत्र में बताई कई शर्तें तभी लागू होंगी जब दोनों पक्षों के बीच अंतिम समझौता हो जाएगा। खबर के अनुसार अगर ऐसा नहीं होता, तो फिर से युद्ध शुरू होने की आशंका बनी रहेगी, या स्थिति लंबे समय तक अनिश्चित बनी रह सकती है। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के बाद चीन ने ईरान युद्ध में समग्र संघर्ष विराम की अपील की। अराघची 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमला किए जाने के बाद से पहली बार चीन की यात्रा पर है।

चीन की अर्थव्यवस्था खतरे में, घटती आबादी और निर्यात में गिरावट ने बढ़ाई मुसीबतें

चीन, 06 मई। चीन की अर्थव्यवस्था अब पहले जैसी तेज रफ्तार से आगे नहीं बढ़ रही है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, कमजोर घरेलू मांग और तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण आर्थिक विकास पर दबाव बढ़ता जा रहा है। हालांकि 2025 और 2026 की शुरूआत में चीन लगभग 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, लेकिन यह पहले के दोहरे अंकों (डबल डिजिट) की तुलना में काफी कम है। रिपोर्ट में सबसे बड़ी चिंता घरेलू खपत को बताया गया है। लोगों का खर्च कम हो गया है, जिससे बाजार में मांग घट रही है और आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

पहले चीन की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में उपभोग, निवेश और निर्यात तीनों की बड़ी भूमिका थी, लेकिन अब यह संतुलन

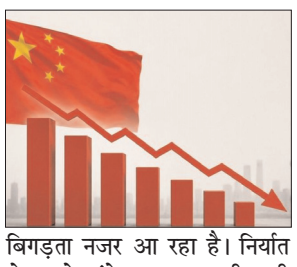

बिगड़ता नजर आ रहा है। निर्यात क्षेत्र, जो लंबे समय तक चीन की ताकत रहा, अब दबाव में है। वैश्विक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ते व्यापारिक प्रतिबंधों के कारण चीन के सामान की मांग घट रही है। कई कंपनियां अपने उत्पादन केंद्र दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं, जिससे चीन की स्थिति और कमजोर हो रही है।इसके अलावा चीन की जनसंख्या संरचना भी बड़ी चुनौती बन रही है। देश में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जबकि कामकाजी उम्र की आबादी घट रही है। इससे श्रम की कमी हो रही है और उत्पादन क्षमता पर असर पड़ रहा है। निवेश के मोर्चे पर भी स्थिति कमजोर है।

2025 में स्थिर निवेश में गिरावट दर्ज की गई, जो व्यापारिक विश्वास में कमी और आर्थिक संरचना में बदलाव का संकेत है। उत्पादकता में सुधार भी धीमा हो गया है, जिससे भविष्य की वृद्धि पर सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में चीन की अर्थव्यवस्था इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपनी उत्पादकता कैसे बढ़ाता है और घटती कार्यबल की समस्या को कैसे संभालता है। लेकिन जब तक घरेलू मांग मजबूत नहीं होती, तब तक स्थिर और तेज आर्थिक विकास हासिल करना मुश्किल रहेगा।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद खुलने लगे वर्षों से बंद पड़े मंदिर, हर ओर गूंज रहा जय श्री राम

कोलकता, 06 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार और ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे राज्य में हिंदू समाज के बीच उत्सव का माहौल अब भी बना हुआ है। गांवों से लेकर शहरों तक जय श्री राम के नारों की गूंज सुनाई दे रही है। अनेक स्थानों पर मंदिरों में विशेष पूजा, भजन और धार्मिक आयोजनों का दौर जारी है। इसी बीच कई ऐसे पुराने मंदिर भी दोबारा खोले जा रहे हैं, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान लंबे समय तक खुलने नहीं दिया गया था। इन घटनाओं को राज्य में बदलते राजनीतिक और सामाजिक माहौल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इसी क्रम में पश्चिम बंगाल के आसनसोल क्षेत्र में स्थित श्री श्री

दुगार्माता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित एक प्राचीन दुर्गा मंदिर वर्षों बाद श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया है। मंदिर के दोबारा खुलने के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां पहुंचकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। लंबे समय के बाद मंदिर में फिर से नियमित रूप से घंटियां बजने और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने से क्षेत्र में उत्साह का वातावरण दिखाई दे रहा है।

मंदिर के पुनः खुलने के बाद स्थानीय भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने इसे राज्य के बदलते राजनीतिक वातावरण का प्रतीक बताया है। आसनसोल दक्षिण सीट से चालीस हजार आठ सौ उनतालीस मतों के अंतर से जीत दर्ज करने वाली अग्निमित्रा पॉल का नाम भी इस पूरे घटनाक्रम से जोड़ा जा रहा है। स्थानीय भाजपा नेता तथा मंदिर समिति के सदस्य नीलू चक्रवर्ती ने कहा कि मंदिर के दोबारा खुलने से क्षेत्र के हिंदू समाज को बड़ी राहत मिली है। उनका कहना था कि पहले मंदिर में प्रवेश और पूजा की व्यवस्था केवल कुछ विशेष त्योहारों तक सीमित कर दी गई थी, जिससे आम श्रद्धालुओं में निराशा थी।

नीलू चक्रवर्ती ने यह भी दावा किया कि इस विषय को लेकर वर्षों तक दिल्ली के राजनीतिक नेतृत्व से लगातार गुहार लगाई जाती रही। उन्होंने मंदिर के पुनः खुलने को राज्य में हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन से जोड़ते हुए कहा कि अब हिंदू समाज स्वयं को अधिक सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है। आसनसोल उत्तर से नवनिर्वाचित विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने भी अपनी जीत के बाद मंदिर पहुंचकर पूजा की।

चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने वादा किया था कि यदि वह विजयी होते हैं तो मंदिर को पूरे वर्ष श्रद्धालुओं के लिए खुला रखा जाएगा। उनके मंदिर पहुंचने के साथ ही औपचारिक रूप से मंदिर के पुनः संचालन की शुरूआत हुई। स्थानीय लोगों के लिए यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि राज्य में आए व्यापक राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक भी बन गया है।

हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत ने राज्य की राजनीति में एक बड़े पुनसंर्तुलन का संकेत दिया है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बड़ा बयान, बोले- हाई कमांड का हर फैसला मानूंगा

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को राज्य में तत्काल नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से इनकार किया और साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार अपना पूरा पांच वर्षीय कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी। मैसूर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि वे नेतृत्व परिवर्तन के संबंध में पार्टी उच्च कमान द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का पालन करेंगे, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें फिलहाल इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व द्वारा बुलाया गया तो वे नई दिल्ली जाएंगे। उपचुनावों के समापन के बाद, उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, जो मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं, दिल्ली गए और राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात की। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के प्रति वफादार मंत्रिमंडल मंत्रियों के एक समूह ने दिल्ली में उच्च कमान से मुलाकात की और उनसे नेतृत्व को लेकर चल रही अनिश्चितता को दूर करने का आग्रह किया। वरिष्ठ विधायक भी दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। इन सभी घटनाक्रमों के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री पद में कोई परिवर्तन नहीं होगा।खरगे ने भी स्वीकार किया कि उन पर कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने का दबाव है। स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में सिद्धारमैया ने कहा कि ये चुनाव शीघ्र ही कराए जाएंगे। श्रृंगेरी चुनाव परिणाम और पुनर्गणना विवाद पर मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मतगणना प्रक्रिया के दौरान आपराधिक साजिश रची थी।

पश्चिम बंगाल चुनाव में हुई बड़ी धांधली, अखिलेश ने चेताया- अब यूपी में नई साजिश करेगी बीजेपी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के हालिया चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय से इस मामले का संज्ञान लेने और इस राज्य में हुई मतगणना के सीसीटीवी फुटेज पूरे देश के सामने जारी करने की बुधवार को मांग की। यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि भाजपा नेताओं, अधिकारियों, कारोबारियों और ठेकेदारों का बहु-स्तरीय चुनावी माफिया पश्चिम बंगाल में अपना खेल करने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव में किसी नयी योजना के साथ काम करेंगे।

सपा प्रमुख ने बंगाल के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर धांधली किये जाने और बड़ी संख्या में वोट काटे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और बंगाल की मतगणना के सीसीटीवी फुटेज पूरे देश के सामने उपलब्ध कराये जाएं। यादव ने कहा कि जब अदालतों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण हो सकता है तो मतगणना की प्रक्रिया का क्यों नहीं। उन्होंने पिछले कई विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में हार-जीत के अंतर के आंकड़ों के ग्राफ पेश करते हुए निर्वाचन आयोग पर पक्षपात के गम्भीर आरोप लगाये तथा कहा कि पश्चिम बंगाल में जो हुआ है, उसे समाजवादी लोग उत्तर प्रदेश में पहले ही भोग चुके हैं।

सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए नहीं जाने को लेकर एक सवाल पर कहा, मैं कहीं भी चुनाव प्रचार के लिए नहीं गया। हमारे पास इतने संसाधन नहीं थे कि हम दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जा सकें। हम यहीं उत्तर प्रदेश में हैं और यहीं का ध्यान रखते हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस द्वारा अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को समर्थन दिये जाने के ऐलान के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुख) के नाराजगी जताने पर यादव ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया लेकिन कहा, हम क्यों बता दें कि किस पर भरोसा करेंगे और किस पर नहीं। द्रमुक ने कांग्रेस के इस कदम को पीठ में छुरा घोंपने जैसा बताया था।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत ह्यहिंदू वोट बैंकह्न तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर ह्यबंग बचाओह्न इस थीम पर ह्यमतदाता जागरूकता अभियानह्न चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर निःशब्द विप्लव या मूक क्रांति को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से अस्तित्व एवं अस्मिता का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया। इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

क्षेत्रीय दलों की ढीली होती पकड़

अशोक भाटिया

2026 के विधानसभा चुनाव नतीजों ने देश की राजनीति में एक बड़ा ट्रेंड साफ कर दिया है। क्षेत्रीय पार्टियों की पकड़ लगातार कमजोर हो रही है और मतदाता तेजी से राष्ट्रीय दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकते दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की 15 साल पुरानी सत्ता का अंत और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित हार इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। तमिलनाडु में जहां नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने राजनीति में दमदार एंट्री की, वहीं यह भी साफ हुआ कि पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति पार्टियों का प्रभाव पहले से कमजोर हुआ है।

तमिल पहचान और गौरव के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली डीएमके को सत्ता विरोधी लहर ने करारा झटका दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी हार का सामना करना पड़ा। यह ये भी दिखाता है कि केवल क्षेत्रीयता की भावना चुनाव जिताने के लिए काफी नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी विभिन्न क्षेत्रीय पार्टियों की स्थिति कमोबेश यही है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा को चुनौती दे रही थीं, लेकिन भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का सफाया कर दिया और अगले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का क्या हो सकता है, यह समझाने के लिए किसी राजनीतिक विचारक की जरूरत नहीं है। हालांकि, तृणमूल के भविष्य की भविष्यवाणी की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी सरकार का बजट एक अलग मुद्दा है, लेकिन अगर ममता जीत गई होतीं, तो वह हमेशा चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभातीं। बनर्जी को भी घर भेज दिया गया है। यह सिर्फ इस राज्य में नहीं हुआ है। दो साल पहले भाजपा ने पड़ोसी ओडिशा में नवीन पटनायक के बीजू जनता दल के 25 साल के शासन को इसी तरह खत्म कर दिया था।

नवीन पटनायक ने हमेशा भाजपा के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह पटनायक को हरा सकते हैं, तो भाजपा ने आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाया और घर में एक पुराने दोस्त को स्थापित किया। आश्चर्यचकित मत होइए। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना में केके रेड्डी। भाजपा ने दो क्षेत्रीय दलों चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्रियों को भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया। इन दोनों दलों ने संसद में समय-समय पर भाजपा की मदद की है। लेकिन जब समय आया तो भाजपा ने दोनों सहयोगियों को पीछे धकेल दिया।

इतना ही नहीं, हमेशा से बीजेपी की मददगार रही और हमेशा विपक्ष की दोस्त रही चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को दिल्ली में शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बीजेपी ने जगन मोहन के विरोधी तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन किया और कर्नाटक में देवगौड़ा के सेक्युलर जनता दल को गिरा दिया, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी 10 साल तक दिल्ली की सत्ता में रही। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों को बांटकर बीजेपी ने इस बात की झलक दिखाई है कि पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है।

इस सूची में बीएसपी को भी शामिल किया जा सकता है जो फिलहाल आप की तरह ही राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है पर 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर पड़ गई थी और अपने गढ़ उत्तर प्रदेश में उसका आधार भी खिसकता दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में बसपा का वोट शेयर 19।4% (2019) से गिरकर मात्र 9। 39% (2024) रह गया। 2024 में इसने अपने सभी 10 सीटें गंवा दीं और शून्य पर सिमट गई। हालांकि इस बीच इसने मध्य प्रदेश में मामूली सुधार किया। यहां वोट शेयर 2019 के 2। 38% से बढ़कर 2024 में 3। 28% हो गया।

क्षेत्रीय दलों के प्रति भाजपा की कितनी जुनूनी है, इस मामले में महाराष्ट्र का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है। भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत को भड़काकर शिवसेना और एनसीपी दोनों को कमजोर कर दिया। इन दोनों दलों के पास अब भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही 2029 में राज्य में आत्मबल का मंत्र दे चुके हैं। अगर ऐसा मौका मिलता है तो बीजेपी छूट जाएगी। अकाली दल (पंजाब), असम गण परिषद (असम) और गोवा में महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) ने इन राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया है।

1970 के दशक में भाषाई प्रांतीयतावाद के कारण क्षेत्रीय दलों का धीरे-धीरे उदय हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंतोष पैदा हुआ, बढ़ती क्षेत्रीय पहचान, कांग्रेस के सत्ता में रहने पर राज्यों की उपेक्षा हुई, दक्षिण भारत में क्षेत्रीय पहचान जल रही थी और क्षेत्रीय दलों के लिए माहौल बना था। द्रमुक ने 1967 में हिंदी मजबूरी के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता हासिल की, तब से लेकर राज्य में कल टीवी की जीत तक, द्रमुक और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में बिखरी हुई अन्नाद्रमुक का दबदबा बना हुआ है। फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव द्वारा स्थापित तेलुगू देशम ने दो तिहाई से अधिक सीटें जीती हैं, जबकि मुंबई में शिवसेना 'हटाओ लुंगी' के नारे पर आगे बढ़ी है। गिरा दिया। शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, जगनमोहन रेड्डी और चंद्रशेखर राव तक, विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की जड़ें कांग्रेस में हैं। उस अर्थ में, यह कांग्रेस के पेड़ पर एक भ्रष्टाचार है, लेकिन इन नेताओं ने आंतरिक विरोध या दिल्ली की राजनीति से अपनी पार्टियां बनाईं।

हालांकि सिमटते क्षेत्रीय दलों के संदर्भ में कुछ अपवाद भी हैं। इसमें सबसे आगे झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा है, जिसने नवंबर 2024 में हुए झारखंड विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की। इंडिया गठबंधन के छत्र तले उसने अकेले 34 सीटें जीतीं, जबकि पूरे गठबंधन को 81 में से 56 सीटें मिली थीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। 2024 के चुनाव में कुल 90 सीटों में से 42 सीटें अकेले ठउ ने जीतीं। कांग्रेस (6 सीटें) और सीपीआईएम के साथ इस गठबंधन ने बहुमत (46+ सीटें) का आंकड़ा पार कर लिया। तो जेएमएम और नेशनल कान्फ्रेंस, दोनों ही दल अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। दरअसल, अगर देश के सभी भाजपा विरोधी दल एक साथ आ जाएं तो भाजपा के लिए उनका सामना करना मुश्किल है, इसका ताजा उदाहरण महिला आरक्षण और परिसीमन के संदर्भ में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंडिया अलायंस के रूप में सभी प्रमुख विपक्षी दलों के एक साथ लड़ने के परिणामस्वरूप 'चरसो पार' का नारा देने वाली भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई थी। कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जो कांग्रेस विरोधी नारा भाजपा ने हमेशा उठाया है। आज, भाजपा की निरंकुशता का विरोध कांग्रेस और उसकी परिधि का एजेंडा है, जबकि कांग्रेस की निरंकुशता के खिलाफ विपक्षी एकता का विचार 1960 के दशक में दिग्गज समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित किया गया था। असली ताकत 1967 में कांग्रेस में विभाजन के बाद ही बढ़ी। उस चुनाव में कांग्रेस ने देश के आठ राज्यों में सत्ता गंवा दी थी। 2014 में जब भाजपा सत्ता में आई तो मोदी-शाह ने 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे के साथ इस दिशा में कदम उठाए। यही कारण है कि देश के 70 प्रतिशत से अधिक भूभाग पर वर्तमान में भाजपा या उसके सहयोगियों का शासन है। भाजपा ने दक्षिण भारत को छोड़कर देश के सभी हिस्सों में अपना आधार बना लिया है। पिछले 12 साल की सत्ता में रहने के बाद भी कांग्रेस भाजपा को क्यों नुकसान पहुंचा रही है, इस सवाल का जवाब उसे मिलने वाले वोटों के प्रतिशत में निहित है। एक बार कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला होने के बाद भाजपा ने कई राज्यों में खुद को स्थापित कर लिया और फिर धीरे-धीरे इन दलों का सफाया कर दिया, जिसमें कांग्रेस और उनकी पार्टियों के नेता भी शामिल थे। लेकिन ये नतीजे इस बात को रेखांकित करते हैं कि कांग्रेस को अब लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज की जिम्मेदारी को और गंभीरता से लेना होगा। विपक्ष एक तरफ वह संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों की बात कर रहा है, दूसरी तरफ मतदाता राष्ट्रीय नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने 2024 में बेहतर प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन वह अभी तक खुद को बीजेपी के मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित नहीं कर पाई है। दक्षिण भारत अब भी क्षेत्रीय दलों का गढ़ माना जाता है, लेकिन वहां भी दबाव बढ़ रहा है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की हार इसका ताजा उदाहरण है। कुल मिलाकर 2026 के विधानसभा चुनाव नतीजे यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भारतीय राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां क्षेत्रीय पहचान की जगह राष्ट्रीय मुद्दे और नेतृत्व ज्यादा अहम हो गए हैं।

सेकुलरिज्म का भारतीय चेहरा अब मुस्लिम पॉकेट्स तक सिमट गया

-अजय कुमार

पश्चिम बंगाल और असम के ताजा विधानसभा चुनावी नतीजों ने भारतीय राजनीति की उस गहरी सच्चाई को उजागर कर दिया है जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा था। जहां एक तरफ हिमंता बिस्वा सरमा असम में मियां शब्द का इस्तेमाल कर विपक्ष की वोटबैंक राजनीति को निशाने पर ले रहे थे, वहीं शुभेंदु अधिकारी बंगाल में जय सनातन का नारा लगाकर हिंदू बहुल इलाकों में भावनाओं को छू रहे थे। यह सिर्फ शब्दों का खेल नहीं था। नतीजे बताते हैं कि ह्यसेकुलरिज्म का झंडा उठाने वाली पार्टियां अब खास समुदाय के मुट्ठी भर इलाकों तक सिकुड़ गई हैं। कांग्रेस असम में और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में मुस्लिम बहुल पॉकेट्स की कैद में फंस गई हैं।असम की 126 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस महज 19 सीटें जीत सकी। इनमें से 18 विधायक मुस्लिम समुदाय से हैं। यानी गैर-मुस्लिम वोटरों ने कांग्रेस को लगभग पूरी तरह नकार दिया। गौरव गोगोई जैसी युवा चेहरों की हार इस बात का प्रमाण है कि पार्टी का आधार अब केवल एक खास वोटबैंक तक रह गया है। बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ को सिर्फ दो सीटों पर संतोष करना पड़ा, जबकि कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों ने टैक्टिकल वोटिंग के जरिए फायदा उठाया। मुस्लिम मतदाताओं ने अजमल को छोड़कर कांग्रेस को बीजेपी के खिलाफ मजबूत विकल्प माना, लेकिन इस प्रक्रिया में कांग्रेस ने अपना पुराना हिंदू और असमिया आधार लगभग गंवा दिया।

असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी छोड़ते वक्त जो आरोप लगाए थे, वे अब नतीजों में साफ दिख रहे हैं। बोरा ने कहा था कि पार्टी मूल निवासियों की भावनाओं को नजरअंदाज कर एक खास वोटबैंक को खुश करने में लगी है। नतीजे इस फ्रस्ट्रेशन की पुष्टि करते हैं। असम में आइडेंटिटी पॉलिटिक्स हमेशा से चरम पर रही है। बंगाल की तरह यहां भी सर्वधर्म समभाव का नारा अब तुष्टिकरण के रूप में देखा जा रहा है। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार ने डेलिमिटेशन के जरिए मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या घटाई, जिससे स्वदेशी समुदायों का वजन बढ़ा। नतीजा यह कि 103 सीटों पर अब मूल निवासी निर्णायक बन गए।बंगाल की तस्वीर और भी चौंकाने वाली है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस लंबे समय से 27 से 30 फीसदी मुस्लिम मतदाताओं को अपना सबसे मजबूत सहारा मानती रही। इस बार पार्टी ने 47 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे और 32 ने जीत हासिल की। यह स्ट्राइक रेट शानदार लगता है, लेकिन हकीकत यह है कि ये 32 विधायक टीएमसी के कुल विधायकों में करीब 40 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। एक कथित सेकुलर पार्टी का इतना बड़ा हिस्सा एक ही समुदाय से आना खुद पार्टी की व्यापक स्वीकार्यता पर सवाल खड़ा करता है।

मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर-दक्षिण दिनाजपुर और दक्षिण 24 परगना जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में टीएमसी पहले निर्विरोध दबदबा रखती थी। अब वहां भी सेंध लग गई है। मुस्लिम वोटरों में बिखराव साफ दिखा। हुमायूं कबीर, कांग्रेस के कुछ मुस्लिम उम्मीदवार और पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की इंडियन सेकुलर फ्रंट जैसी ताकतें टीएमसी के एकाधिकार को चुनौती दे रही हैं। मुस्लिम मतदाता अब सिर्फ बीजेपी के डर पर वोट नहीं देना चाहते। उन्हें लगता है कि जमीनी स्तर पर स्थानीय विकल्प बेहतर हो सकते हैं। इस बिखराव ने बीजेपी को मुस्लिम बहुल बेल्ट में भी सेंध लगाने का मौका दिया।दोनों राज्यों में एक समान पैटर्न दिखता है। जहां सेकुलर पार्टियां मुस्लिम पॉकेट्स में सिमट गईं, वहीं बहुसंख्यक समुदाय में एक काउंटर पोलराइजेशन हुआ। बंगाल में बीजेपी ने हिंदू बहुल इलाकों में भारी बढ़त बनाई, जबकि असम में हिमंता सरकार ने पहले से ही स्वदेशी अस्मिता को मजबूत किया। सेकुलरिज्म का भारतीय संस्करण अब कम्युनल रिप्रेजेंटेशन में बदलता जा रहा है। जब कोई पार्टी खुद को सेकुलर बताती है लेकिन उसका इलेक्टोरल बेस मुख्य रूप से एक समुदाय तक सीमित हो जाता है, तो वह दावा खोखला हो जाता है। यह बदलाव अचानक नहीं आया। पिछले कुछ दशकों में सेकुलरिज्म शब्द का मतलब जमीन पर तेजी से बदला है। पहले इसे सर्वधर्म समभाव के रूप में पेश किया जाता था। अब यह खास भौगोलिक इलाकों और खास वोटबैंक तक सिमट गया है। बंगाल में ममता बनर्जी की हिजाब वाली तस्वीरें, ईद पर दिए गए भाषण, सीएए-एनआरसी और वक्फ कानून का विरोध इन सबको बीजेपी ने एजेंडा बनाया। नतीजा यह कि हिंदू बहुल इलाकों में टीएमसी के प्रति नाराजगी बढ़ी और पार्टी मुस्लिम बेल्ट तक धकेल दी गई।असम में कांग्रेस का हाल और बदतर है। 19 में से 18 मुस्लिम विधायकों वाली पार्टी अब मुस्लिम लीग जैसी छवि बन गई है। गैर-मुस्लिम उम्मीदवारों में से महज एक जीत सका। यह ध्रुवीकरण का स्पष्ट संकेत है। मुस्लिम मतदाता टैक्टिकल वोटिंग कर रहे हैं, लेकिन इससे कांग्रेस की व्यापक अपील खत्म हो गई है। अजमल के साथ कभी गठबंधन, कभी समझौता यह लव-हेट रिलेशनशिप भी अंततः कांग्रेस के लिए घातक साबित हुई।

ये नतीजे भारतीय राजनीति को एक सबक देते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति का एक सैचुरेशन पॉइंट होता है। जब बहुसंख्यक समाज को लगता है कि सेकुलरिज्म उनके हितों की बलि चढ़ाकर एक वर्ग को खुश करने का माध्यम बन गया है, तो वे काउंटर पोलराइजेशन की ओर बढ़ते हैं। बंगाल और असम इसी चौराहे पर खड़े हैं। यहां वोटर अब या तो हिंदू है या मुस्लिम। बीच का ह्यसेकुलरह्न विकल्प लगभग गायब हो गया है।यह बदलाव सिर्फ दो राज्यों तक सीमित नहीं है। देश भर में वोटिंग पैटर्न में समान रुझान दिख रहे हैं। पार्टियां अब खुलकर अपनी असली पहचान स्वीकार कर रही हैं। भाजपा हिंदू बहुल आधार पर मजबूत हो रही है, जबकि विपक्षी दल मुस्लिम समर्थन पर निर्भर हो गए हैं। लेकिन इतिहास गवाह है कि एक समुदाय विशेष पर निर्भर राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती। व्यापक विकास, अस्मिता और स्थानीय मुद्दे अंततः निर्णायक बनते हैं। असम और बंगाल के इन नतीजों ने साबित कर दिया कि भारतीय मतदाता अब ह्यसेकुलरह्न शब्द के जाल में फंसने को तैयार नहीं है। वह जमीन पर उतरकर देख रहा है कि कौन सी पार्टी वाकई सबके लिए काम कर रही है। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति अब अपनी सीमा पर पहुंच गई है।इसके आगे का सफर या तो समावेशी विकास की ओर होगा या फिर और गहरे ध्रुवीकरण की ओर। फिलहाल नतीजे दूसरी दिशा की ओर इशारा कर रहे हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों की बदलती परिभाषा

विक्रम दयाल

रिश्ते– यह शब्द अपने आप में एक संसार समेटे हुए है। कभी यह शब्द सुनते ही आँखों के सामने अपनेपन की गर्माहट, साथ बैठकर हँसने की आवाजें, और बिना कहे सब समझ लेने वाला अपनापन उभर आता था। लेकिन आज, डिजिटल युग ने इन रिश्तों की परिभाषा को एक नया मोड़ दे दिया है। आज का समय तकनीक का समय है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हमारी दुनिया को एक छोटे से स्क्रीन में समेट दिया है। अब दूर बैठे लोग भी एक क्लिक में पास आ जाते हैं, लेकिन इसी के साथ एक कड़वा सच भी सामने आया है–हम पास रहकर भी दूर होते जा रहे हैं। एक समय था जब शाम होते ही पूरा परिवार एक साथ बैठता था। दिनभर की बातें साझा होती थीं, हँसी-ठिठोली होती थी, और रिश्तों की डोर मजबूत होती थी। आज वही परिवार एक ही छत के नीचे होते हुए भी अलग-अलग कमरों में, अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त है। बातचीत की जगह अब मैसेज ने ले ली है, और भावनाओं की जगह इमोजी ने।डिजिटल युग ने रिश्तों को त्वरित बना दिया है। दोस्ती अब फॉलो और फ्रेंड रिक्वेस्ट तक

-विक्रम दयाल

सीमित हो गई है। प्यार का इजहार टेक्स्ट में हो जाता है और ब्रेकअप भी एक ब्लॉक या अनफॉलो से पूरा हो जाता है। यह तेजी रिश्तों की गहराई को कहीं न कहीं कम कर रही है। सोशल मीडिया पर हम अपनी जिंदगी का एक सुंदर, सजा-संवरा हिस्सा दिखाते हैं। हर कोई खुश और सफल नजर आता है। लेकिन इस आभासी दुनिया के पीछे छिपी वास्तविकता अक्सर अलग होती है। लोग अपने दर्द, अपनी परेशानियाँ छुपाकर केवल मुस्कान दिखाते हैं। इससे एक भ्रम पैदा होता है–कि दूसरों की जिंदगी हमसे बेहतर है–और यही तुलना रिश्तों में असंतोष और दूरी का कारण बनती है। फिर भी, यह कहना गलत होगा कि डिजिटल युग ने केवल नुकसान ही किया है। इसने कई बिछड़े रिश्तों को फिर से जोड़ने का काम भी किया है। आज कोई अपने गाँव से हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी अपने माता-पिता से रोज जुड़ा रह सकता है। महामारी के समय में, जब लोग एक-दूसरे से मिल नहीं सकते थे, तब यही डिजिटल माध्यम रिश्तों का सहारा बना। असल समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। जब हम डिजिटल दुनिया को वास्तविक रिश्तों से ऊपर रखने लगते हैं, तब असंतुलन पैदा होता है। रिश्तों को समय चाहिए, स्पर्श चाहिए, और सबसे बढ़कर चाहिए सच्ची उपस्थिति–जो किसी स्क्रीन के माध्यम से पूरी तरह संभव नहीं। हमें यह समझना होगा कि ऑनलाइन होना, साथ होना नहीं होता। किसी के पास बैठकर, उसकी आँखों में देखकर, उसकी बातों को महसूस करना–यह अनुभव डिजिटल दुनिया कभी पूरी तरह नहीं दे सकती। आज की सबसे बड़ी जरूरत है–डिजिटल और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन बनाना। हमें तकनीक का उपयोग रिश्तों को मजबूत करने के लिए करना चाहिए, न कि उनसे दूर जाने के लिए। हमें अपने प्रियजनों के लिए समय निकालना होगा, उनसे आमने-सामने बात करनी होगी, और उनके साथ बिताए गए पलों को महत्व देना होगा। अंततः, रिश्तों की असली खूबसूरती उनकी सादगी और सच्चाई में होती है। डिजिटल युग चाहे जितना भी आगे बढ़ जाए, वह दिल से दिल तक पहुँचने वाली उस गर्माहट को कभी पूरी तरह नहीं बदल सकता। याद रखिए–रिश्ते नेटवर्क से नहीं, दिल के कनेक्शन से चलते हैं। अगर यह कनेक्शन मजबूत है, तो कोई भी युग–डिजिटल हो या पारंपरिक–रिश्तों को कमजोर नहीं कर सकता।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

-प्रियंका सौरभ

- डॉ. प्रियंका सौरभ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 165 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया। इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (उअअ) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में ळटउ कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व ळटउ नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी। विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीः या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को उअअ के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

मीरा भायंदर महानगरपालिका के सभागृह नेता बने एड. रवि व्यास

भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व जिलाध्यक्ष तथा मीरा भायंदर विधानसभा चुनाव के प्रमुख रहे एडवोकेट रवि व्यास को मीरा भायंदर महानगरपालिका में सभागृह नेता की बड़ी जिम्मेदारी दी है। सभागृह नेता महानगरपालिका में सरकार का मुख्य चेहरा होता है, जो प्रशासनिक कार्यों को गति देने और पार्षदों की भूमिका को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिम्मेदार होता है। महानगरपालिका में सभागृह नेता सदन का संचालन और नीति निर्धारण करने के साथ-साथ सत्ता पक्ष का नेतृत्व करता है। पार्टी के सभी पार्षदों के बीच समन्वय और एकता बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का भी निर्वहन करता है। शहर के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेता है। सदन में सत्ता पक्ष का नेतृत्व करता है। एड.रवि व्यास को सभागृह नेता बनाए जाने पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं में खुशी देखी जा रही है। मीरा भायंदर की आम जनता ने भी उन्हें सभागृह नेता बनाए जाने का स्वागत किया है। एड व्यास ने दी गई जिम्मेदारी के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण तथा विधायक नरेंद्र मेहता के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पित भावना के साथ करेंगे।

श्रमजीवी संगठन में 43 साल बाद बड़ा फेरबदल, महिलाओं को सशक्त बनाते हुये सीता घाटाल को मिला अध्यक्ष पद

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आदिवासी और कष्टकरी समाज के लिए पिछले 43 वर्षों से कार्यरत श्रमजीवी संगठन में राज्य अधिवेशन के दौरान बड़ा फेरबदल किया गया। इस दौरान संगठन की कमान नई पीढ़ी को सौंपते हुए सीता घाटाल को अध्यक्ष और बालाराम भोईर को कार्याध्यक्ष नियुक्त किया गया। अधिवेशन में वन भूमि, पानी की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मूलभूत मुद्दों पर विस्तृत कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई। संगठन के संस्थापक विवेक पंडित के मार्गदर्शन में आगामी तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। राज्य कार्यकारिणी में दत्तात्रेय कोलेकर और लक्ष्मण सवर को उपाध्यक्ष, विजय जाधव को महासचिव तथा सुनील जाधव को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं ठाणे और पालघर जिलों सहित विभिन्न तालुकों में भी नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। पदाधिकारियों के चयन प्रक्रिया के दौरान विवेक पंडित भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि संगठन में 70 प्रतिशत महिलाएं सदस्य हैं और आज एक महिला का अध्यक्ष बनना गर्व की बात है। इस मौके पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नई अध्यक्ष सीता घाटाल को बधाई देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में पुराने पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन का ध्वज और प्रतीक चिह्न सुपुर्द किया।

भिवंडी में अवैध निर्माण पर प्रभाग समिति-3 ने तोडक कार्रवाई करते हुए चलाया हथौड़ा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन का रुख अब बेहद सख्त नजर आ रहा है। भिवंडी मनपा के प्रभाग समिति-3 के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर इन दिनों लगातार एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं और अवैध निमार्णों पर तोड़क कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को मनपा आयुक्त अनमोल सागर और उपायुक्त के स्पष्ट निदेशों के तहत न्यू कनेरी स्थित शास्त्रीनगर इलाके में बड़ी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई मकान नंबर 616 और 617 पर चल रहे अवैध निर्माण के खिलाफ की गई, जहां अतिक्रमण विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को तुरंत रोकते हुए तोड़क कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए, वहीं अवैध निर्माण से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यहां लंबे समय से नियमों को नजरअंदाज कर निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिस पर अब प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। प्रभाग समिति-3 के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर ने जानकारी देते हुये बताया कि भिवंडी में मनपा आयुक्त ने आदेश दिया है कि किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाले दिनों में इस तरह की कार्रवाई और तेज की जाएगी, ताकि शहर में नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके। इस कार्रवाई के बाद अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों में डर का माहौल है। कई जगहों पर निर्माण कार्य धीमा पड़ गया है, जबकि कुछ लोगों ने खुद ही निर्माण कार्य रोक दिया है। फिलहाल मनपा के इस सख्त रुख ने साफ कर दिया है कि नियमों के खिलाफ जाने वालों पर सीधे कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक स्नेहा दुबे ने मानपा अधिकारियों के साथ किया ब्रिज का निरीक्षण

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को लेकर एक अहम कदम उठाया गया है। स्नेहा दुबे पंडित ने पृथ्वीराज बी.पी. (कमिश्नर, वसई विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन) के साथ वसई ईस्ट-वेस्ट रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का विस्तृत साइट निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्रिज के निर्माण के साथ-साथ उसके नीचे बने नाले की स्थिति का भी बारीकी से जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए जा रहे एक मेमोरियल के कुछ हिस्सों के कारण निर्माण कार्य में बाधा आ रही थी। इस पर कमिश्नर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि अगले सप्ताह तक इन रुकावटों को दूर कर दिया जाएगा, जिससे प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो सके। यह ओवरब्रिज वसई के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके पूरा होने से क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी। साथ ही, मानसून के दौरान नालों के जाम होने की समस्या से निपटने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि जलभराव की स्थिति से बचा जा सके। इस निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कमिश्नर संजय हेरवाड़े, सिटी इंजीनियर प्रदीप पाचंगे, मुंबई रेल विकास कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि मनीष पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

समरस फाउंडेशन ने किया पत्रकार अविनाश पांडे का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में लोकप्रिय पोर्टल न्यूज नवभारत दर्पण के संचालक पत्रकार अविनाश पांडे का सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने शॉल और स्मृति चिन्ह से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव पत्रकार शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, विधि सलाहकार एड. प्रशांत परदेसी, पूरव गांधी और रामलिंगम उपस्थित रहे। डॉ किशोर सिंह ने अविनाश पांडे के कार्यों की सराहना करते हुए उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं दी।

मीरा रोड में स्पा सेंटर पर छापा, सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में पुलिस ने एक बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा किया है। जोंकिल थाई सपा सेंटर में मसाज की आड़ में देह व्यापार चलाए जाने की सूचना पर कार्रवाई की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद ट्रैप ऑपरेशन किया गया बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारा गया। स्पा सेंटर के चालक और मैनेजर को गिरफ्तार किया गया मौके से 3 युवतियों को रेस्क्यू किया गया, स्पा सेंटर का मालिक फरार, पुलिस तलाश में जुटी है

इस कार्रवाई का नेतृत्व मेघना बुरादे (सीनियर PI) जिलानी सय्यद (PI) ने अपनी टीम के साथ कारवाई किया। मामले में इठर की धाराएं 143(3), 3(5) और पीटा एक्ट इम्मोरल ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट की धाराएं 3, 4, 5 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि: रेस्क्यू की गई युवतियां कहां से लाई गई थीं

इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, क्या अन्य स्पा सेंटर भी इससे जुड़े हैं क्या इसका भी जांच हो रही है। रेस्क्यू की गई युवतियों को आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत सुधार गृह भेजा जा रहा है।

किडनी के नाम पर 31 लाख की ठगी, उल्हासनगर में फैमिली डॉक्टर ही निकला ठगी का मास्टरमाइंड

चेतन निर्मल

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। चिंचपाड़ा क्षेत्र में रहने वाली दीपाली चव्हाण की कहानी किसी को भी भावुक कर सकती है। पति की किडनी खराब होने पर दीपाली ने अपनी एक किडनी दान कर उनकी जान बचाने की कोशिश की। लेकिन दुर्भाग्यवश ऑपरेशन के बाद संक्रमण हो गया और उनके पति की तबीयत फिर बिगड़ने लगी। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर उनके फैमिली डॉक्टर ने ही लाखों रुपये की ठगी कर डाली।

पीड़िता के अनुसार, उनके फैमिली डॉक्टर गौरव धर्मा नायर ने अपने संपर्कों के जरिए नया किडनी डोनर और ऑपरेशन की व्यवस्था कराने का भरोसा दिलाया। इसके लिए उन्होंने मोसमी बिस्वास, जयदेव बिस्वास और अन्य लोगों से परिचय कराया। आरोपी डॉक्टर और उसके साथियों ने 2 जुलाई 2025 से 7 मार्च 2026 के बीच अलग-अलग समय पर नकद और ऑनलाइन माध्यम से कुल 31 लाख 67 हजार 860 रुपये वसूल लिए।

इतनी बड़ी रकम देने के बावजूद न तो कोई डोनर मिला और न ही ऑपरेशन कराया गया। जब दीपाली को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ, तब उन्होंने उल्हासनगर के विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोळी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टर समेत 7 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। इस पूरे मामले की

आरोपी डॉक्टर

जांच अब ओडिशा के भुवनेश्वर तक पहुंच गई है, जहां एक अस्पताल में भी लेन-देन होने की जानकारी सामने आई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मामला दर्ज होने के बावजूद मुख्य आरोपी डॉक्टर अब भी अपने क्लिनिक में मरीजों का इलाज कर रहा है। पुलिस अब तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

इस मामले के पीछे बड़े किडनी रैकेट की आशंका जताई जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या अन्य लोगों के साथ भी इसी तरह की ठगी हुई है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने मामले की पुष्टि करते हुए जांच जारी होने की जानकारी दी है।

केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 21 सीटों पर 20% से अधिक वोट हासिल किया

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। केरल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की 21 सीटों पर 20% से अधिक वोट हासिल किए और 3 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा 6 सीटों पर दूसरे स्थान पर रहकर पार्टी ने अपनी मौजूदगी मजबूत की। इस प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक विनोद तावड़े की रणनीति को दिया गया, जिन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, स्थानीय मुद्दों पर फोकस करने और मतदाताओं से सीधे संवाद पर जोर दिया। महाराष्ट्र के नालासोपारा से विधायक राजन नाइक ने भी केरल में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने चट्टानूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार बी.बी. गोपकुमार के समर्थन में प्रचार किया। इस क्षेत्र में पार्टी के प्रदर्शन के बाद उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। इसी क्रम में भाजपा महाराष्ट्र के केरल सेल के संयोजक उत्तम कुमार ने राजन नाइक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मनोज पाटिल, मनोज बारोट, अशोक शेलके, विनीत तिवारी, जयप्रकाश वाजे, जितेंद्र नाइक और विनोद कुमार सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कुल मिलाकर, केरल जैसे पारंपरिक रूप से चुनौतीपूर्ण राज्य में भाजपा का यह प्रदर्शन भविष्य में पार्टी के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

शिवसेना ठाकरे पक्ष का संगठन विस्तार : बाबा तिवारी को उत्तर भारतीय विभाग जिला संगठक नियुक्त

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने समाजसेवक बाबा तिवारी को उत्तर भारतीय विभाग का जिला संगठक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से कल्याण-डोंबिवली और आसपास के इलाकों में उत्तर भारतीय समाज में पार्टी की पकड़ मजबूत होने की उम्मीद है।तिवारी लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कमलादेवी शिक्षण संस्था के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिससे अनेक विद्यार्थियों को लाभ मिला और उनका भविष्य संवरने में मदद हुई। इसके अलावा वे विभिन्न सामाजिक उपक्रमों, जरूरतमंदों की सहायता तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर लगातार कार्य करते रहे हैं। उनकी सेवा भावना, सक्रियता और जनता से जुड़ाव के कारण वे क्षेत्र में एक विश्वसनीय और लोकप्रिय चेहरा बन चुके हैं।पार्टी द्वारा उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपे जाने को उनके कार्यों की सराहना और नेतृत्व पर विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि श्री तिवारी अपने अनुभव, संगठन क्षमता और नेतृत्व कौशल के बल पर उत्तर भारतीय समाज को संगठित करने के साथ-साथ पार्टी को भी और मजबूत करेंगे। इस नियुक्ति पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और संस्था से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में सामाजिक समरसता, विकास और संगठन को नई दिशा मिलेगी। तिवारी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे तथा समाज के सभी वर्गों के हित में लगातार कार्य करते रहेंगे। उनकी इस नियुक्ति से न केवल उत्तर भारतीय समाज, बल्कि पूरे कल्याण क्षेत्र में नई राजनीतिक ऊर्जा और सकारात्मक संदेश का संचार हुआ है।

केडीएमसी चुनाव में निर्विरोध चुने गए 20 नगरसेवकों के मामले की अगली सुनवाई 8 जून को

नोटा बन सकता है नगरसेवकों के गले की हड्डी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) चुनाव में निर्विरोध चुने गए 20 नगरसेवकों के मामले की अगली सुनवाई 8 जून को होगी। इस संबंध में कांग्रेस पदाधिकारी मामा पगारे ने कल्याण के वरिष्ठ दिवाणी न्यायालय में याचिका दायर की है। न्यायालय ने इस मामले में निर्विरोध चुने गए 20 नगरसेवकों के साथ-साथ चुनाव आयोग को भी नोटिस जारी किया है।

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता उजैर नजे ने बताया कि चुनाव आयोग के वर्ष 2018 के परिपत्र के अनुसार, यदि किसी प्रभाग में नोटा (NOTA) को 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त होते हैं, तो वहां पुनः चुनाव कराया जाना चाहिए। वहीं वर्ष 2002 से पहले यदि किसी प्रभाग में केवल एक ही उम्मीदवार का नामांकन प्राप्त होता था, तो उसे निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जा सकता था।

लेकिन 2002 के बाद इस नियम में बदलाव किया गया और एकमात्र नामांकन होने की स्थिति में उम्मीदवार को सीधे निर्विरोध घोषित नहीं किया जा सकता।

इसके बावजूद केडीएमसी चुनाव में भाजपा के 15 और शिंदे सेना के 5, कुल 20 नगरसेवकों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

याचिकाकर्ता मामा पगारे ने न्यायालय से मांग की है कि इन 20 नगरसेवकों का निर्विरोध निर्वाचन रद्द किया जाए और संबंधित प्रभागों में पुनः चुनाव कराया जाए।

सामान्यतः चुनाव परिणाम घोषित होने के 10 दिनों के भीतर चुनाव प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका दाखिल की जा सकती है। हालांकि, इस मामले में पगारे को याचिका दाखिल करने में 78 दिनों की देरी हुई। न्यायालय ने इस देरी को माफ करते हुए याचिका स्वीकार कर ली और सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया।अब इस महत्वपूर्ण मामले की अगली सुनवाई 8 जून को होगी।

सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने किया वाड़ा-भिवंडी हाईवे का विस्तृत निरीक्षण दौरा

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मनोर-वाड़ा तथा वाड़ा-भिवंडी हाईवे का विस्तृत निरीक्षण दौरा किया। इस दौरे की शुरूआत कंछड़ स्थित ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक से हुई, जिसमें पीडब्ल्यूडी एवं ईगल कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सांसद ने नागरिकों की समस्याओं पर सीधे चर्चा करते हुए हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं तथा अधूरे कार्यों के कारण वाहन चालकों को हो रही परेशानियों पर गंभीरता से सवाल उठाए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात सांसद ने स्वयं हाईवे का निरीक्षण किया, जहां स्थानीय नागरिकों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। सांसद ने अधिकारियों को इन समस्याओं का शीघ्र निवारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पाली क्षेत्र में स्थित पुल का भी निरीक्षण किया गया।

आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए सड़कों की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। मनोर से वाड़ा तक 23 किलोमीटर लंबे मार्ग में से लगभग 12-13 किलोमीटर एक लेन का कार्य मई के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सांसद ने हाईवे पर गड्ढों को तत्काल भरने, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में सुधार करने तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मानसून के दौरान संभावित परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त ट्रैफिक वार्डन की तैनाती, जेसीबी मशीनरी, बजरी एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। इस अवसर पर सांसद ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि, मई के अंत तक लगभग 50-60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो जाएगा। वाहन चलाते समय विशेषकर ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में सावधानी बरतना आवश्यक है। इस निरीक्षण दौरे में सांसद के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, पीडब्ल्यूडी अधिकारी, कंपनी प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

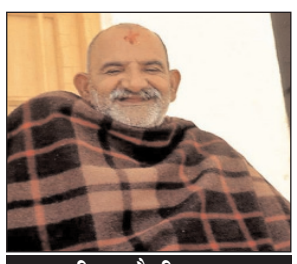
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बारात में विवाद के बाद पत्थरबाजी, अंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त

मो.इमराम फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के खानपुर चित्रावल मुडीयार गांव में मंगलवार देर रात एक बारात के दौरान दो पक्षों के युवकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट और पत्थरबाजी में बदल गया, जिसमें गांव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्थापित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि बारात में शामिल कुछ अज्ञात लोगों ने गांव में घुसकर घरों में भी मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के बाद दलित समाज के बड़ी संख्या में लोग बिंद परिवार के घर चल रहे वैवाहिक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए और कार्यक्रम रुकवा दिया।

हंगामे के बाद मरम्मत, पुलिस ने दिया कार्रवाई का भरोसा

सूचना पर फूलपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया और वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराते हुए बारात की सकुशल विदाई कराई। साथ ही प्रतिमा की मरम्मत और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बुधवार सुबह जब पुलिस और ग्राम प्रधान द्वारा क्षतिग्रस्त प्रतिमा की मरम्मत शुरू कराई गई तो दलित समाज के लोग और कुछ स्थानीय नेता मौके पर पहुंच गए और आक्रोश जताते हुए विरोध करने लगे। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। बारात में शामिल दूल्हा, उसके भाई-चाचा समेत कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है, जबकि कुछ को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

करीब दोपहर तक चले विरोध-प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों के समझाने-बुझाने और कार्रवाई के भरोसे पर लोग शांत हुए। क्षेत्राधिकारी फूलपुर किरण पाल सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। इसके बाद क्षतिग्रस्त अंबेडकर प्रतिमा की मरम्मत कराई गई और गांव में स्थिति सामान्य हो गई।

मुठभेड़ में घायल बदमाश गिरफ्तार, तमंचा और बाइक बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना सरायख्वाजा क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से अवैध तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत सरायख्वाजा पुलिस टीम मल्हनी-कोइरिडीहा मार्ग स्थित नहर पुलिया के पास संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो कुछ दूरी पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

बताया जा रहा है कि गिरने के बाद बदमाशों ने पुलिस टीम पर

फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्णा यादव उर्फ गोलू उर्फ गोलई यादव निवासी छबिलेपुर के रूप में हुई है। उसके पास से .315 बोर का देशी तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने लूट, छिनैती और सुपारी लेकर अपराध करने की बात कबूल की है।

पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेजते हुए उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल गिरफ्तार, साथी फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना जलालपुर क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत जलालपुर पुलिस टीम डिंगुरपुर नहर रोड पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक भाऊपुर की ओर से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाश भागने लगे। इसी बीच पीछे बैठा एक आरोपी गिर गया, जिसे पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। जबकि मोटरसाइकिल चला रहा दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अंकित यादव उर्फ मोनू पुत्र ओमप्रकाश, निवासी बहाउद्दीनपुर, थाना सरायख्वाजा के रूप में हुई है। उसके पास से .315 बोर का तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना जलालपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना जलालपुर पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री योगी ने किया श्रीकाशी विश्वनाथ और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को काशी पहुंचे। सीएम ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर और कालभैरव मंदिर में दर्शन किए। काशी में सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

इसके बाद सीएम योगी उदय प्रताप कॉलेज के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. राजीव कृष्ण के घर पर पहुंचे। प्रोफेसर के पुत्र के मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री अफसरों के साथ रोपवे, दालमंडी, सीएम ग्रिड सड़क योजना सहित अन्य विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री रोपवे, गंजारी क्रिकेट स्टेडियम, दालमंडी की प्रगति रिपोर्ट देखेंगे। मुख्यमंत्री की बैठक के बाद दालमंडी में सड़क चौड़ीकरण का काम एक बार फिर तेज हो सकता है। मुख्यमंत्री नगर निगम के नए सदन भवन की रिपोर्ट भी देखेंगे।

दुष्कर्म व अपहरण के मामले में वांछित आरोपित को पुलिस ने दबोचा

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत ढंढवारा खुर्द गांव में एक युवक ने एक किशोरी को शादी का झांसा देकर अगवा कर दुष्कर्म करने के मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

खुटहन थाना क्षेत्र के बीरी समस-द्दीन पुर गांव निवासी अरबाज पुत्र जहीर खान पर कोतवाली क्षेत्र के ढंढवारा खुर्द गांव निवासी दिलशाद पुत्र नसरूद्दीन ने आरोप लगाया था कि ढाई माह पूर्व आरोपित युवक ने हमारी नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर अगवा कर दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दोषी युवक के विरूद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई थी।कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने हमराहियों संग आरोपित युवक के घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में चालान भेज दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी थाना क्षेत्र के हथवानी भूतिया पुल के आगे रेणुकूट की तरफ वाराणसी शक्ति नगर राजमार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को बुधवार की भोर में कुचल दिया। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान हाथीनाला थाना क्षेत्र के हथवानी साउडीह गांव निवासी अकलवंत और अजय कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवक मंगलवार की रात बाइक से रेणुकूट क्षेत्र में विवाह समरोह में गए थे। बुधवार की भोर में घर लौट रहे थे। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। दोनों ने हेलमेट नहीं लगाया था। दोनों का शव हिण्डाल्को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं पर?जनों ने जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंचकर शि?नाख?त की। वहीं हादसे की जानकारी होने के बाद स्वजन में चीख पुकार मच गई है। बुधवार को भोर लगभग चार बजे हाथी नाला थाना एव पिपरी क्षेत्र के भुतहिया पुलिया के आगे रेणुकूट के तरफ वाराणसी शक्ति नगर राज्य मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक पर सवार दो युवकों का सिर हाथ पैर कुचल दिया। दोनों बाइक सवार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

एसएसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन, जौनपुर का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कैंटीन, बैरक, कार्यालय, यातायात शाखा सहित अन्य शाखाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव तथा लंबित कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख सुव्यवस्थित रखें जाएं और लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अनुशासन एवं कार्यकुशलता बनाए रखने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। भांवरकोल क्षेत्र के शेरपुर खुर्द गांव में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 25 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें दवा का वितरण किया गया।

शिविर में सर्दी-खांसी, जोड़ों का दर्द, त्वचा रोग, पाचन संबंधी समस्याएं आदि से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। शिविर में डा0 सोनम दूबे ने उपस्थित मरीजों एवं अन्य लोगों को आयुर्वेदिक जीवनशैली, आहार-विहार तथा रोगों की रोकथाम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। इस शिविर में चिकित्सक डा0 सोनम दुबे, पधान प्रतिनिधि जयानंद राय मोनू, ओमप्रकाश राय एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

गुरैनी सुम्बुलपुर बाईपास पर 'ऐप्पल फैमिली ढाबा' का उद्घाटन, अजय सिंह रहे मुख्य अतिथि

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुरैनी सुम्बुलपुर बाईपास के समीप स्थित ऐप्पल फैमिली ढाबा का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख शाहगंज (सोंधी) अजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि अजय सिंह ने फीता काटकर ढाबे का उद्घाटन किया और संचालक अब्दुल रहमान (गुड्डू एम्बुलेंस) को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के नए प्रतिष्ठान क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, स्थानीय लोग और समर्थक बड़ी संख्या में

उपस्थित रहे। समारोह में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला जज ने की बैठक, 9 मई को होगा आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी 9 मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जनपद न्यायालय में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में सभी न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण पर जोर दिया गया। जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों द्वारा अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सुलह-समझौते योग्य मामलों को चिन्हित कर समयबद्ध ढंग से निस्तारित किया जाए। साथ ही, जिन मामलों में किसी प्रकार की बाधा आ रही हो, उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सिविल जज (सीडी) एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार इस लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्री-लिटिगेशन स्तर के साथ-साथ न्यायालयों में लंबित सुलह योग्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

लोक अदालत में पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट), धन वसूली, श्रम एवं सेवायोजन, बिजली-पानी के बिल विवाद, भरण-पोषण, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, राजस्व वाद, भूमि अधिग्रहण सहित अन्य सिविल एवं आपराधिक शमनीय मामलों का निपटारा सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा।

जिला जज ने वादकारियों एवं अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने मामलों को लोक अदालत में प्रस्तुत कर आपसी सहमति से निस्तारित कराएं और इस व्यवस्था का अधिकतम लाभ उठाएं।

बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (नोडल अधिकारी), सिविल जजगण एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल का जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर कसा शिकंजा

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल ने बुधवार को अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला पुरुष चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई, दवा वितरण, स्टाफ की उपस्थिति और आपातकालीन सेवाओं की स्थिति का गहन जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने वार्डों में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान कुछ स्थानों पर कमियां मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और इलाज में लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही दवाओं की उपलब्धता, समय पर जांच और उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

एटीएम विवाद में ससुरालवालों ने दामाद को पीटा, घायल हालत में पहुंचा थाने

◆ पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कभी कभी कुछ मामले ऐसे घटित हो जाते है जिसे पहले से अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल होता है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जिसमे ससुराल वालो ने मिलकर अपने ही दामाद को पीट कर घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम नदौली थाना खेतासराय निवासी 28 वर्षीय बृजेश यादव पुत्र उमाशंकर यादव का विवाह लगभग पांच वर्ष पूर्व कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरबसपुर सहावैं में 25 वर्षीय नेहा यादव के साथ हुआ था।विवाह के कुछ समय तक सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था।मगर कुक समय बाद दोनों में किसी न किसी बात को लेकर प्रतिदिन अनबन होनी लगी। जिससे नेहा अपने मायके सहावैं आकर रहने लगी थी। बुधवार को नेहा का पति बृजेश सहावैं पहुंचा आरोप है की अपनी पत्नी से एटीएम कार्ड मांगने पर ससुर, साले और साढूआइन ने बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को नामजद लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए ससुराल वालों के खिलाफ कार्यवाई की मांग की है।

उपनिरीक्षक त्रिवेणी सिंह बने निरीक्षक, पीपिंग सेरेमनी में किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में तैनात उपनिरीक्षक त्रिवेणी सिंह के निरीक्षक पद पर प्रोन्नत होने के उपलक्ष्य में पुलिस कार्यालय में पीपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह द्वारा उन्हें निरीक्षक पद के बैज पहनाकर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान एसएसपी ने त्रिवेणी सिंह को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि पदोन्नति पुलिस कर्मियों के परिश्रम और समर्पण का परिणाम होती है, जो उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। पीपिंग सेरेमनी में उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी नवप्रोन्नत निरीक्षक को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जौनपुर में कोल्ड स्टोरेज बने खतरे का कारण, अमोनिया गैस रिसाव से लोग दहशत में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में संचालित कई कोल्ड स्टोरेज इन दिनों सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। अमोनिया गैस रिसाव की घटनाओं ने स्थानीय निवासियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि ये कोल्ड स्टोरेज अब 'टाइम बम' की तरह साबित हो रहे हैं।

शाहगंज की घटना ने बढ़ाई चिंता: पिछले वर्ष शाहगंज क्षेत्र स्थित एक कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस रिसाव की घटना सामने आई थी, जिससे आसपास के लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई और अफरा-तफरी मच गई थी। शुरूआत में संचालकों द्वारा घटना से इनकार किया गया, लेकिन बाद में जांच में रिसाव की पुष्टि होने पर प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी।

सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी: स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारी के अनुसार, अधिकांश कोल्ड स्टोरेज में जरूरी सुरक्षा उपकरण जैसे गैस सेंसर,

सुरक्षा मास्क और आपातकालीन निकास की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा कई इकाइयां अब घनी आबादी वाले क्षेत्रों के बीच संचालित हो रही हैं, जिससे किसी भी दुर्घटना की स्थिति में बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है।

प्रशासनिक निगरानी पर उठे सवाल: नियमित निरीक्षण और निगरानी के अभाव में कोल्ड स्टोरेज संचालकों की लापरवाही बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है।

नए जिलाधिकारी से उम्मीदें: जनपद में नवागत जिलाधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद लोगों को उम्मीद है कि इस गंभीर मुद्दे पर ठोस कार्रवाई होगी। नागरिकों का कहना है कि सभी कोल्ड स्टोरेज की व्यापक जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

विदेश में छिन गया सहारा, अब वतन में जिंदगी की जंग लड़ रहा गरीब पिता

हादसे में गंवाया पैर, टूटी हड्डियां; बेबस सलीम ने विधायक रमेश सिंह से लगाई जीवन रक्षा की गुहार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कहते हैं कि इंसान अपनी किस्मत संवारने के लिए सात समंदर पार जाता है, लेकिन शाहगंज के वार्ड संख्या 14, भादी निवासी मोहम्मद सलीम सलमानी के लिए यह सफर एक बुरे सपने में बदल गया। बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना लेकर विदेश गए सलीम आज खुद दूसरों के सहारे को मोहताज हैं। एक भीषण सड़क हादसे ने न केवल उनके शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया, बल्कि परिवार की उम्मीदों पर भी अंधेरा छा दिया है।

हादसे ने छीनी खुशियां, बिस्तर पर सिमटी जिंदगी: सलीम सलमानी अपने परिवार और छोटे बच्चों के पालन-पोषण के लिए मेहनत-मजदूरी करने विदेश गए थे। वहां एक दुखद दुर्घटना (एक्सीडेंट) में उन्होंने अपना एक पैर गंवा दिया। चिकित्सकों के अनुसार, हादसे में उनके कुल्हे और सीने की हड्डी भी पूरी तरह टूट चुकी है। गंभीर हालत में वतन वापस लौटे सलीम अब चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हैं।

इलाज के लिए दर-दर की ठोकरें: सलीम ने बताया कि वह आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर हैं। घर की जमा-पूंजी इलाज में खत्म हो चुकी है। बेहतर उपचार के लिए उन्होंने बीएचयू (वाराणसी), आरएमएल (लखनऊ), पीजीआई और किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े संस्थानों के चक्कर लगाए हैं, लेकिन पैसों के अभाव में इलाज बीच में ही रुक गया है। उनके छोटे-छोटे बच्चों का भविष्य अब अधर में लटका है।

विधायक से लगाई मदद की गुहार: अपनी आखिरी उम्मीद के साथ पीड़ित सलीम सलमानी ने शाहगंज विधायक रमेश सिंह से मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने एक प्रार्थना पत्र सौंपकर विधायक और सरकार से आर्थिक सहायता की भावुक अपील की है। सलीम का कहना है कि यदि उन्हें सरकारी मदद मिल जाए, तो वह फिर से अपने पैरों पर खड़े होकर अपने बच्चों का सहारा बन सकेंगे।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1731 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1731वें दिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय, राजितराम यादव, नन्दलाल रावत, उदयराज गौड़, आदित्य नारायण शर्मा, राम बहाल यादव, किरन सिंह रघुवंशी, प्रेम प्रकाश मिश्र, राम आसरे विश्वकर्मा सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

महाराष्ट्र में 60 मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के तकनीक-आधारित परिवर्तन हेतु VFS Global कंसोर्टियम को महत्वपूर्ण अनुबंध प्राप्त

मुंबई। सरकारी सेवाओं को सुरक्षित रूप से प्रदान करने वाली वैश्विक तकनीकी सेवा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी VFS Global और WE Excel Software Pvt. Ltd. के कंसोर्टियम को महाराष्ट्र सरकार के पंजीयन महानिरीक्षक एवं मुद्रांक नियंत्रक (IGR) विभाग से पांच वर्षों का अनुबंध प्राप्त हुआ है। इसके अंतर्गत राज्य में संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में चरणबद्ध तरीके से 60 अत्याधुनिक ह्यमॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय (SROs) स्थापित किए जाएंगे। यह कंसोर्टियम महाराष्ट्र में इन मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों की संपूर्ण स्थापना करेगा, जिसमें संपत्ति पंजीकरण सेवाओं के आधुनिकीकरण हेतु अत्याधुनिक डिजिटल अवसंरचना और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। ये अत्याधुनिक केंद्र तेज प्रक्रिया और प्रभावी सेवा प्रदान करने के लिए डिजाइन किए जाएंगे, जिनमें विशाल, आधुनिक और पूर्णतः वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रत्येक केंद्र में आरामदायक प्रतीक्षालय, वाई-फाई सुविधा, निर्बाध प्रक्रिया हेतु सशक्त डिजिटल प्रणाली और नागरिकों की सहायता के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त अल्पाहार और पेयजल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे नागरिकों का अनुभव और बेहतर होगा। रविंद्र बिनवडे, पंजीयन महानिरीक्षक (IGR), महाराष्ट्र सरकार, ने कहा, मॉडल कार्यालय की अवधारणा वर्तमान संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में मौजूद बाधाओं को दूर करने के लिए एक रणनीतिक पहल है। वर्षों से नागरिकों को लंबी कतारों, भीड़भाड़ वाले सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों और उचित वातावरण के अभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए विभाग मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की स्थापना कर रहा है। 60 समर्पित कार्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जो पूर्णतः सरकारी नियंत्रण में रहेंगे और विभागीय अधिकारियों द्वारा संचालित होंगे, जिससे नियामकीय व्यवस्था बनी रहेगी। इन कार्यालयों का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कार्यालयों में भीड़ कम करना है। नागरिक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इन कार्यालयों में उन्नत सुविधाएं और आधुनिक अवसंरचना उपलब्ध कराई जाएगी, जिसका संचालन एक विशेषीकृत एजेंसी के सहयोग से किया जाएगा।

बंगाल विजय के बाद पहली बार काशी पहुंचे योगी, आस्था और संदेश दोनों साधे

* शेड्यूल बदला, बाबा विश्वनाथ-कालभैरव के दरबार में टेका माथा
* राजनीतिक जीत के बाद काशी में आध्यात्मिक जुड़ाव का प्रदर्शन

वाराणसी। पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का काशी दौरा कई मायनों में विशेष महत्व रखता है। यह केवल एक प्रशासनिक यात्रा नहीं, बल्कि राजनीतिक सफलता के बाद सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आधार से पुनः जुड़ने का प्रतीकात्मक क्षण भी बन गया।

मौसम की प्रतिकूलता के कारण सोमवार को स्थगित हुआ यह दौरा मंगलवार को साकार हुआ, लेकिन घटनाक्रम ने इसे सामान्य कार्यक्रम से अलग बना दिया। पूर्व निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत मुख्यमंत्री को समयबद्ध तरीके से प्रयागराज रवाना होना था, किंतु काशी पहुंचते ही उनका कार्यक्रम बदला और उन्होंने सीधे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तथा बाबा कालभैरव के दरबार में जाकर दर्शन-पूजन किया।

यह बदलाव केवल कार्यक्रम का फेरबदल नहीं था, बल्कि उस परंपरा का निर्वहन था जिसमें काशी, विशेषकर बाबा विश्वनाथ और कालभैरव का आशीर्वाद किसी भी बड़े कार्य या उपलब्धि के बाद आवश्यक माना जाता है। बंगाल में मिली सफलता के बाद योगी आदित्यनाथ का काशी आना और यहां शीश नवाना इसी सांस्कृतिक निरंतरता को दशार्ता है। प्रशासन ने भी तत्परता दिखाते हुए बदले हुए कार्यक्रम के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। यह समन्वय इस बात का संकेत है कि काशी में शासन केवल नियमों तक सीमित नहीं, बल्कि यहां की आस्था और परंपराओं के साथ कदमताल करता है। योगी आदित्यनाथ, जो स्वयं एक संन्यासी परंपरा से आते हैं, के लिए यह दौरा और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। राजनीतिक विजय के बाद आध्यात्मिक स्थलों पर पहुंचकर आशीर्वाद लेना भारतीय जनमानस में गहराई से जुड़ी परंपरा है, और काशी इसका केंद्र बिंदु है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री का एक निजी विवाह समारोह में शामिल होना यह दशार्ता है कि सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच सामाजिक और मानवीय संबंधों को भी महत्व दिया जाता है। मतलब साफ है कि काशी में योगी आदित्यनाथ का यह दौरा केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक व्यापक संदेश है राजनीतिक सफलता और आध्यात्मिक आस्था, दोनों का संतुलन ही भारतीय राजनीति की विशिष्ट पहचान है।

NUOS ने स्मार्ट लिविंग में अपनी पकड़ मजबूत की Zigbee 3.0 प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन

मुंबई। NUOS होम ऑटोमेशन, जो भारत की अग्रणी स्मार्ट होम टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक है, ने मुंबई में आयोजित Smart Home Expo 2026 में अपने Zigbee 3.0 आधारित प्लेटफॉर्म का सफल प्रदर्शन किया। इसके बाद कंपनी ने स्मार्ट लिविंग सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। 2014 में स्थापना के बाद से, ठवडर ने एक दशक से अधिक समय में 20 से ज्यादा स्मार्ट ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार किया है। ये सभी प्रोडक्ट्स एक ही यूनिफाइड इकोसिस्टम पर आधारित हैं। कंपनी होम ऑटोमेशन की सबसे बड़ी समस्या यानी अलग-अलग सिस्टम्स के बीच तालमेल की कमी को दूर करती है, और एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए लाइटिंग, क्लाइमेट और सिक्योरिटी को आसानी से कंट्रोल करने की सुविधा देती है। कंपनी की खासियत है इसका Zigbee 3.0 सपोर्ट, जो ग्लोबल स्मार्ट डिवाइसेस के साथ आसानी से काम करने की क्षमता देता है। इससे होमओनर्स, आर्किटेक्ट्स और डेवलपर्स को एक स्केलेबल और फ्यूचर-रेडी स्मार्ट सिस्टम बनाने की सुविधा मिलती है, बिना किसी एक बंद सिस्टम में बंधे रहने के। NUOS का फोकस मेड इन इंडिया पर भी मजबूत है। कंपनी भारत की जरूरतों के हिसाब से प्रोडक्ट्स डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। इसके इनोवेशन्स जैसे Snap Fit Panels और मैग्नेटिक स्विच सॉल्यूशंस इंस्टॉलेशन को आसान बनाते हैं और जटिल वायरिंग की जरूरत को कम करते हैं, जिससे नए और पुराने दोनों तरह के घरों में स्मार्ट अपग्रेड आसान हो जाता है। कंपनी अब रेसिडेंशियल से आगे बढ़ते हुए वायरलेस बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स के जरिए कमर्शियल और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में भी अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है, ताकि बड़े स्तर पर इंटेलिजेंट स्पेस तैयार किए जा सकें। इस पर टिप्पणी करते हुए, NUOS होम ऑटोमेशन की को-फाउंडर गीतिका श्रीवास्तव ने कहा, हमारा फोकस हमेशा ऐसे स्मार्ट होम सॉल्यूशंस बनाने पर रहा है जो आसान, स्केलेबल और भारत में वास्तविक उपयोग के अनुसार डिजाइन किए गए हों। हमारे प्लेटफॉर्म को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दिखाती है कि इंटीग्रेटेड और फ्यूचर-रेडी स्मार्ट लिविंग सॉल्यूशंस की मांग तेजी से बढ़ रही है।

इंदौर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

करोड़ों के लेनदेन का खुलासा, डायमंड सर्वर से चल रहा था रैकेट, 39 मोबाइल बरामद

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सर्वर बेस्ड सिस्टम के जरिए लंबे समय से अवैध सट्टा कारोबार चला रहे थे।एडीशनल डीसीपी मीना चौहान के अनुसार, कार्रवाई उषा नगर स्थित सांई नयन अपार्टमेंट में की गई। यहां से शशांक अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, निखिल कौशल, शुभम कौशल, जतिन शर्मा, अर्पित तिवारी और प्रियांश जैन को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी आरोपी शिवपुरी और गुना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से

1 लाख 40 हजार रुपए नकद, 3 लैपटॉप, 39 मोबाइल फोन और सट्टेबाजी से जुड़े अहम डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। इसके साथ ही कई फर्जी आईडी, बैंक स्टेटमेंट और ट्रांजेक्शन से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं, जिनमें करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि पूरा नेटवर्क दिल्ली और मुंबई बेस्ड डायमंड सर्वर के जरिए ऑपरेट हो रहा था। आरोपी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बैंक खातों के माध्यम से पैसे का लेनदेन करते थे और सट्टेबाजी के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते थे। प्रारंभिक जांच में इस रैकेट के तार दिल्ली के अलावा दुबई तक जुड़े होने की बात सामने आई है। इससे अंदेशा है कि यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय था। क्राइम ब्रांच अब पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

घरेलू नौकरानी से विधायक बनीं कलिता मांझी, संघर्ष की मिसाल बनीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पश्चिम बंगाल में गरीबी और संघर्षों से जूझते हुए भी अगर हौसला मजबूत हो तो सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है। इसी का उदाहरण पेश किया है कलिता मांझी ने, जिन्होंने घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने से लेकर विधायक बनने तक का सफर तय किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बनीं कलिता मांझी ने अपनी मेहनत और लगन से समाज में नई पहचान बनाई है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार आगे बढ़ती रहीं। विधायक बनने के बाद उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य गरीबों, महिलाओं और वंचित वर्ग के लोगों के लिए काम करना है। वे अपने क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। कलिता मांझी की यह सफलता कहानी समाज के लिए एक प्रेरणा है, जो यह संदेश देती है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

नवागत जिलाधिकारी का शीतला चौकिया धाम से हुआ सम्मान, महंत विनय त्रिपाठी ने ओढ़ाई चुनरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में नवागत जिलाधिकारी के पदभार ग्रहण करने के उपरांत विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में शीतला चौकिया धाम के महंत विनय त्रिपाठी ने जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें माता शीतला का आशीर्वाद प्रदान किया। महंत विनय त्रिपाठी ने जिलाधिकारी को माता शीतला की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा शीतला माता की प्रतिमा भेंट स्वरूप प्रदान की। इस दौरान उन्होंने माता शीतला चौकिया धाम का प्रसाद भी जिलाधिकारी को अर्पित किया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। महंत ने कहा कि शीतला चौकिया धाम जौनपुर की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से धाम के विकास एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने महंत विनय त्रिपाठी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद के धार्मिक स्थलों के विकास और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने शीतला चौकिया धाम की महत्ता को स्वीकार करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी नवागत जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए जनपद के विकास की उम्मीद जताई।

पेड़ से लटका मिला मजदूर का शव, हत्या की आशंका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के करसावा गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति का शव गांव से कुछ दूरी पर पेड़ से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। करसावा निवासी मुकेश निषाद (42) पुत्र स्व. प्रेमचंद निषाद शादी-विवाह में खाना बनाने का काम करते थे।परिजनों के मुताबिक वह मंगलवार सुबह करीब 10 बजे काम पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। बुधवार सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों ने उनका शव घर से लगभग 200 मीटर दूर एक बबूल के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका देखा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और मोर्चरी भेज दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि मुकेश की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जर्जर सड़कों को लेकर किसान नेता राजीव यादव ने अधिशासी अभियन्ता से की मुलाकात

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। निजामाबाद की जर्जर सड़कों के जल्द से जल्द निर्माण को लेकर किसान नेता राजीव यादव ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता से मुलाकात की। सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव ने बताया कि अगस्त 2026 में पदयात्रा के बाद मुख्यमंत्री द्वारा कार्ययोजना मांगे जाने और टेंडर होने के बाद भी सड़कों का निर्माण नहीं हुआ। जर्जर सड़कों के निर्माण के विषय में मालूम चला कि लाहीडीह, कौड़िया, मुंडियार होते हुए कलान, निजामाबाद से डोडोपुर होते हुए रानी की सराय और शेरपुर तिराहे से कबीर आश्रम, त्रिमुहानी तक की सड़क के नवीनीकरण का काम बरसात से पहले पूरा हो जाएगा। भदुली पुल, शिवली से रानीपुर, अल्लीपुर, बेगपुर होते हुए शेरपुर की सड़क के चौड़ीकरण का प्रस्ताव अभी मंजूर नहीं हुआ है। किसान नेता राजीव यादव ने कहा कि जनता के आंदोलन के दबाव में

जर्जर सड़कों वाले निजामाबाद क्षेत्र में सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया हो रही है। त्रिमुहानी जैसे गांवों में तीस-तीस साल बाद जिन सड़कों पर गिट्टी गिर रही वहां सड़कें गायब हो गईं थी। उन्होंने चिंता जाहिर की कि सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया जितनी तेज होनी चाहिए उस तरह से नहीं हो रही है। लापता-नकारा सांसद-विधायक, रोड नहीं तो वोट नहीं के जनता के ऐलान के बाद जागे जनप्रतिधि इस मुद्दे को और गंभीरता से लें जिससे अबकी बारिश में जनता को सड़क के गड्ढों में बनी पोखरी से मुक्ति मिले। लाहीडीह, कौड़ियों, मुंडियार होते हुए कलान तक सड़क के चौड़ीकरण के बगैर हजारों ग्रामीणों को राहत नहीं मिलेगी। जब तक इन बाजारों में सीवर लाइन नहीं बनेगी समस्या बनी रहेगी। भंवरनाथ से तहबरपुर, सरायपोही समेत विभिन्न निजामाबाद के गांवों की जर्जर सड़कें जब तक नहीं बन जाती यह आंदोलन चलता रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में अधिवक्ता विनोद यादव, अवधेश यादव शामिल रहे।

वनप्लस ने भारत में स्नैपड्रैगन 8 एलाईट जेन 5 के साथ वनप्लस पैड 4 की सेल शुरू की

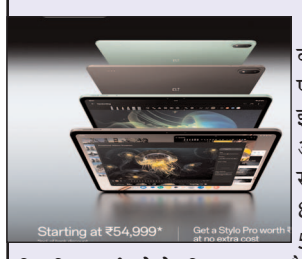

मुंबई। ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड, वनप्लस ने आज वनप्लस पैड 4 की सेल शुरू कर दी। यह लेटेस्ट फ्लैगशिप टेबलेट पोर्टेबल रहते हुए बिल्कुल कंप्यूटर जैसी परफॉर्मेंस, बेहतरीन विज्युअल और प्रोडक्टिविटी प्रदान करने के लिए बनाई गई है। इसका शुरूआती मूल्य 54,999 रुपये है और यह बैंक ऑफरों के साथ अमेजॉन.इन, फ्लिपकार्ट, वनप्लस.इन, वनप्लस स्टोर ऐप, वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर और चुनिंदा ऑफलाइन पार्टनर्स पर उपलब्ध है। वनप्लस पैड 4 में स्नैपड्रैगन 8 एलाईट जेन 5 प्रोसेसर है, जो 12जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512जीबी तक के यू.एफ.एस 4.1 स्टोरेज के साथ मल्टीटास्किंग, गेमिंग और क्रिएटिव वर्कफ्लो के लिए फास्ट और स्मूथ परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इसलिए यह आज तक की सबसे शक्तिशाली वनप्लस टेबलेट है। स्थिर परफॉर्मेंस के लिए इस टेबलेट में 40,760 मिमी2 के विस्तृत आकार में एडवांस्ड क्रायो-वैलोसिटी कूलिंग सिस्टम, वेपर चैंबर और अपग्रेडेड ग्रेफाईट कंपोज़िट दिया गया है, जो भारी उपयोग के दौरान भी डिवाइस को कूल रखता है। वनप्लस पैड 4 को काम और मनोरंजन, दोनों के लिए बनाया गया है। इसमें 33.53 सेमी (13.2 इंच) का 3.4के अल्ट्रा-क्लियर डिस्प्ले है, जो 315 पीपीआई, डॉल्बी विजन सपोर्ट और 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ अल्ट्रा स्मूथ विज्युअल प्रदान करता है। इसका 7:5 रीडफिट अनुपात ज्यादा यूजेबल स्क्रीन स्पेस प्रदान करता है, इसलिए यह रीडिंग, एडिटिंग और मल्टीटास्किंग जैसे प्रोडक्टिविटी के कामों के लिए अच्छा है। वनप्लस पैड 4 में वनप्लस डिवाईस की अब तक की सबसे शक्तिशाली 13,380 एम.ए.एच की बैटरी दी गई है, जो ज्यादा लंबे समय तक वीडियो प्लेबैक, गेमिंग और स्टैंडबाय प्रदान करती है। 80वॉट की सुपरवूक फास्ट चर्जिंग की मदद से यह डिवाइस बहुत तेजी से चार्ज भी हो जाती है।

आइवरी ने महाराष्ट्र में ब्रेन हेल्थ स्क्रीनिंग की पहुँच बढ़ाई

मुंबई। शुरूआती संज्ञानात्मक जांच और निवारक स्वास्थ्य पर केंद्रित ब्रेन हेल्थ प्लेटफॉर्म आइवरी (Ivory) ने मराठी भाषा में अपना डिजिटल संज्ञानात्मक मूल्यांकन उपलब्ध करा दिया है, जिससे महाराष्ट्र के क्षेत्रीय आबादी के लिए मस्तिष्क स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मराठी भाषा में यह शुरूआत,आइवरी की कैम्ब्रिज कॉग्निशन के साथ चल रही साझेदारी का हिस्सा है। कैम्ब्रिज कॉग्निशन एक न्यूरोसाइंस टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो डिजिटल कॉग्निटिव असेसमेंट में विशेषज्ञता रखती है। इस सहयोग के माध्यम से आइवरी भारत में CANTAB Pathway™ तैनात कर रहा है – यह एक क्लिनिकली वैलिडेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे संज्ञानात्मक ह्रास (cognitive impairment) की प्रारंभिक पहचान के लिए डिजाइन किया गया है।

CANTAB Pathway™ संरचित, मानकीकृत कार्यों का उपयोग करके स्मृति (मेमोरी), ध्यान (अटेंशन) और कार्यकारी कार्य (एग्जीक्यूटिव फंक्शन) जैसे प्रमुख संज्ञानात्मक कार्यों का आकलन करता है। दुनिया भर में नैदानिक और अनुसंधान सेटिंग्स में व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला यह प्लेटफॉर्म उद्देश्यपूर्ण मापन, बार-बार परीक्षण और अनुदैर्ध्य ट्रैकिंग (लॉन्गिट्यूडिनल ट्रैकिंग) को सक्षम बनाता है, जिससे संज्ञानात्मक स्वास्थ्य में शुरूआती बदलावों की पहचान करना आसान हो जाता है। भारत में उम्रदराज लोगों की संख्या बढ़ रही है, और रिसर्च बताती है कि 90% से अधिक दिमागी कमजोरियों का पता नहीं चल पाता। तब क्षेत्रीय भाषा में सुविधा तीव्र संज्ञानात्मक गिरावट का शीघ्र पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मराठी भाषा में मूल्यांकन परीक्षण पेश करके, Ivory का लक्ष्य इस मूल्यांकन को अधिक सहज और समावेशी बनाना है, विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए जो अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्त होने में अधिक सहजता महसूस करते हैं। आइवरी के सीईओ इसाक जॉन ने कहा, 'दिमागी स्वास्थ्य को आसान बनाने के लिए उस तक पहुंचना और उसे समझना आसान होना चाहिए। भाषा इसमें बड़ी भूमिका निभाती है। कोग्निटिव न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. आदित्य औंढाकर, मैमथ मेमोरी केयर के संस्थापक और आइवरी (Ivory) में क्लिनिकल सलाहकार ने कहाः हमारे पास आपके हृदय, लीवर और किडनी के स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए रक्त परीक्षण किया।

चेयरमैन की कार्यशैली के विरोध में सब्जी मंडी व्यापारियों का प्रदर्शन, ईओ को सौंपा ज्ञापन

मछलीशहर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत मछलीशहर के चेयरमैन संजय जायसवाल के खिलाफ सब्जी मंडी के व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। नाराज व्यापारियों ने एकजुट होकर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि चेयरमैन की कार्यशैली तानाशाहीपूर्ण है और व्यापारियों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। सब्जी मंडी में साफ-सफाई, जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे उन्हें रोजमर्रा के कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही व्यापारियों का कहना है कि नगर विकास कार्यों में स्थानीय सभासदों की राय को दरकिनार कर मनमाने ढंग से निर्णय लिए जा रहे हैं। इससे न सिर्फ जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा हो रही है, बल्कि आम जनता और व्यापारियों की समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ज्ञापन में व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जिससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस दौरान कोतवाली वार्ड के सभासद फराज सिद्दीकी, डॉ. हस्सान, राजकुमार पटवा उर्फ गोली, जुबैर अहमद, शेरू, बबलू राइन (पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी) सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

गायब मासूम की लाश दूसरे दिन कुंए में पाए जाने से सनसनी

-दिनेश विश्वकर्मा / जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के गारोपुर गांव में मंगलवार सुबह लापता मासूम का शव घर से करीब 50 मीटर दूर एक जर्जर कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। मासूम के गायब होने की परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताते है कि चार वर्षीय आदिल पुत्र रफीक मंगलवार को घर के पास खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद परिजनों ने 5 मई को थाना बरसठी में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और गांव में करीब 5 घंटे तक हर संभावित स्थान पर बच्चे की तलाश की, लेकिन देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार की सुबह करीब घर से कुछ दूरी पर स्थित एक पुराने कुएं में ग्रामीणों ने देखा तो बच्चे का शव पानी में उतराया हुआ मिला। यह खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।आदिल के परिवार में दो भाई और एक बहन हैं, जबकि उसके पिता रफीक सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ।

कपड़ा शोरूम में 43 लाख की धोखाधड़ी, आरोपित युवती गिरफ्तार

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के आजमगढ़ मार्ग स्थित एक कपड़ा शोरूम से बुधवार को पंजाब पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से 43 लाख रुपये की धोखाधड़ी में वांछित युवती को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवती की पहचान अफसाना खान पुत्री मो. रईस के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, तरसेन सिंह व गुरमील सिंह के नेतृत्व में बरनाला पंजाब पुलिस टीम शाहगंज पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से आजमगढ़ मार्ग स्थित ट्रेड सूत्र शोरूम पर छापेमारी कर अफसाना को हिरासत में लिया। पुलिस के मुताबिक, अफसाना अपने एक साथी के साथ भटिंडा पंजाब स्थित संदीप मुखर्जी के कपड़े के शोरूम पर कार्यरत थी। आरोप है कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर करीब 43 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। शोरूम मालिक संदीप मुखर्जी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की थी। वह लंबे समय से फरार चल रही थी। बुधवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद पंजाब पुलिस अभियुक्ता को अपने साथ ले गई। मामले की आगे की जांच बरनाला पुलिस द्वारा की जा रही है।

वरिष्ठ नेता बाबुभाई भवानजी की मेहनत रंग लाई

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग ममता सरकार की विदाई

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के पूर्व उप महापौर और शिवसेना नेता बाबूभाई भवानजी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी थी और वहां सत्ता परिवर्तन तय था। पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक एनडीए का प्रचार करके लौटे भवानजी ने कहा कि पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग इस बात का प्रमाण है कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन तय था। लोगों ने बेखौफ होकर मतदान किया है और

यह मतदान सत्ता के विरोध में हुआ था। उन्होंने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में एनडीए की एकतरफा जीत होगी। बता दें कि भवानजी ने (महायुति)गठबंधन धर्म निभाते हुए बंगाल के पर्वतीय क्षेत्रों में जमकर प्रचार अभियान चलाया। उन्होंने सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, कालिंगपोंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुर द्वार में लगभग एक महीने तक प्रचार किया और लोगों से एनडीए के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कई क्षेत्रों में उनके साथ आरपीआई नेता रामदास आठवले ने भी प्रचार अभियान में हिस्सा लिया था। उधर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग ने पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए नई सख्त व्यवस्था लागू की है। आयोग ने मतदान केंद्रों पर लगाए गए निगरानी कैमरों और उनमें सुरक्षित वीडियो डेटा के संरक्षण को लेकर ताजा दिशा-निर्देश जारी किए था। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद कैमरों से मेमोरी कार्ड नहीं निकाले जाएंगे। केवल कैमरे उतारे जाएंगे और उन्हें सेक्टर अधिकारी की निगरानी में सुरक्षित रखा जाएगा। स्मृति कार्ड निर्धारित डेटा संग्रहण और प्राप्ति केंद्र पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की मौजूदगी में ही निकाले जा सकेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वीडियो सामग्री की पूरी जिम्मेदारी तय रहेगी और उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि किसी शिकायत, विवाद या जांच की स्थिति में प्रमाण उपलब्ध रहे। इससे छेड़छाड़ या डाटा गायब होने की आशंका कम होगी। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में औसतन लगभग 93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों की कई सीटों पर मतदान प्रतिशत इससे भी अधिक रहा, जो मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। अधिकारियों का कहना है कि भारी मतदान और चुनावी संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी फुटेज का सुरक्षित रहना बेहद जरूरी है। इसी कारण मतदान के बाद की प्रक्रिया को लेकर सख्त नियम लागू किए गए थे। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को हुआ था।